

Participants : [Singh Shri Ganesh](#)

>

Title: Need to restore power supply to Madhya Pradesh.

श्री गणेश सिंह (सतना): माननीय अध्यक्ष महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद। ... (व्यवधान)

प्रो. राम गोपाल यादव (सम्भल): अध्यक्ष महोदय, मैंने भी नोटिस दिया है।

अध्यक्ष महोदय : आपको नहीं, उन्हें समय देंगे। आप बैठिए। हमने कमिट किया है। ... (व्यवधान)

श्री गणेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं एक महत्वपूर्ण विषय को सदन में रखना चाहता हूँ। विद्युत समस्या, आज देश की प्रमुख समस्याओं में से एक है और इस समस्या से देश के कई राज्य जूझ रहे हैं। ऐसी स्थिति में केन्द्र सरकार का यह नैतिक दायित्व बनता है कि वह इस समस्या के समाधान में राज्यों की मदद करे।

महोदय, मेरे राज्य मध्यप्रदेश को पहले 300 मैगावाट बिजली मिलती थी जिसमें से 250 मैगावाट की कटौती कर दी गई है। इसके अलावा 2000 मैगावाट परमाणु विद्युतगृहों के प्रस्ताव केन्द्र सरकार के पास विचाराधीन हैं। उनकी भी स्वीकृति आज तक नहीं दी गई है। मालवा अंचल के लिए 147 मैगावाट बिजली का आबंटन केन्द्र सरकार द्वारा किया गया था। वह भी अचानक बन्द कर दिया गया है। प्रदेश के ताप विद्युतगृहों को जो कोयला प्रदान किया जा रहा है, वह अच्छी गुणवत्ता का नहीं है। ताप विद्युतगृहों को आधुनिक क्षमता का बनाने के लिए जर्मनी एवं जापान की टैक्नोलौजी के साथ टाई अप करने का एक प्रस्ताव केन्द्र सरकार के पास विचाराधीन है। उस को भी आज तक मंजूरी नहीं दी गई है। गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोतों पर आधारित प्रदेश के 185 दुर्गम ग्रामों को बिजली पहुंचाने का भी प्रस्ताव केन्द्र सरकार के विचाराधीन है।

महोदय, मुझे लगता है कि केन्द्र सरकार गैर कांग्रेस शासित राज्यों को जानबूझ कर परेशान करने का कार्य कर रही है। केन्द्र सरकार को दोहरे मापदंड नहीं अपनाने चाहिए। मेरी मांग है कि केन्द्र सरकार मध्यप्रदेश के साथ सौतेला व्यवहार करना बन्द करे तथा प्रदेश को जितनी विद्युत पहले दी जाती थी, उतनी विद्युत पुनः प्रदान की जाए एवं लम्बित मामलों को तत्काल स्वीकृति दी जाए।

श्री अतीक अहमद (फूलपुर): अध्यक्ष जी, आज मैं पहली मर्तबा सदन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ।

MR. SPEAKER: I compliment you.